Daily Current Affairs

Date : 23 January, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	'बीकानेर की उस्ता कला' गणतंत्र दिवस की झाँकी में शामिल
2.	ग्राम उत्थान शिविरों का राज्यव्यापी शुभारंभ
3.	चर्चा में 'रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व'
4.	69th नेशनल स्कूल हॉकी टूर्नामेंट (U19 बॉयज) में राजस्थान विजेता
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. अलका बत्रा : राष्ट्रीय महिला उपलब्धि पुरस्कार 2. राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष (स्मरणोत्सव का द्वितीय चरण) 3. डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के नाम 10वाँ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड 4. इंडिया स्किल्स – 2025 : राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 5. ऑपरेशन प्रवर्तन – सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर 6. 'रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म और इन्फॉर्म' कार्यशाला 7. बाराँ में 'अमृत महोत्सव 2026' का आयोजन 8. राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय चित्रकला कार्यशाला
6.	इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव और स्पेन
7.	लोकायन 26 अभियान
8.	सागर मैत्री पहल (SM-5)
9.	आरोबैंकी एजिप्टियाका
10.	सीमेंट, एल्युमीनियम और MSMEs क्षेत्रों में हरित परिवर्तन रोडमैप
11.	राष्ट्रीय विधायी सूचकांक (NLI)
12.	वैश्विक जल दिवालियापन पर रिपोर्ट

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

'बीकानेर की उस्ता कला' गणतंत्र दिवस की झाँकी में शामिल

चर्चा में क्यों?

- नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राजस्थान की झाँकी में 'बीकानेर की उस्ता कला' का प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- 26 जनवरी, 2026 को कर्तव्य पथ पर कुल 30 झाँकियाँ प्रदर्शित की जाएँगी जिनमें 17 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की और 13 मंत्रालयों/विभागों/सेवाओं की झाँकियाँ शामिल होंगी।
- **राजस्थान की झाँकी का विषय :** रेगिस्तान का सुनहरा स्पर्श : बीकानेर की स्वर्ण कला (उस्ता कला)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **झाँकी के डिजाइनर एवं पर्यवेक्षक :** हर शिव कुमार शर्मा।
- राजस्थान की झाँकी के अग्र भाग में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक वाद्य यंत्र रावणहत्था का वादन करते हुए कलाकार को प्रदर्शित किया जाएगा। झाँकी के चारों ओर गैर लोक नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार होंगे।
- साथ ही, झाँकी में पारंपरिक कुप्पी तथा हस्तशिल्प पर कार्य करते कारीगरों के दृश्य प्रदर्शित किए गए हैं, जो इस कला की जीवंत परंपरा को दर्शाते हैं। वहीं पृष्ठभाग में ऊँट सवार की प्रतिमा राजस्थान की मरुस्थलीय संस्कृति एवं लोक जीवन को दर्शाते हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

उस्ताकला के बारे में:

- उस्ता कला ऊँट की खाल पर की जाने वाली स्वर्ण जड़ाई की पारंपरिक शाही कला है, जिसकी उत्पत्ति ईरान से मानी जाती है। ऊँट की खाल से बनी इन कृतियों पर किया गया चित्रांकन अत्यन्त आकर्षक व कलात्मक होता है जो 'मुनव्वती' कहलाता है।
- बीकानेर की उस्ता कला को भौगोलिक संकेतक (GI टैग) प्राप्त है, जो इसकी मौलिकता और सांस्कृतिक महत्त्व को प्रमाणित करता है।
- **विकास :** मुगल काल में हुआ तथा बीकानेर के महाराजा राय सिंह के शासनकाल में यह कला बीकानेर पहुँची परन्तु सर्वाधिक विकास महाराजा अनूप सिंह राठौड़ के समय हुआ जहाँ स्थानीय कारीगरों ने इसे विशिष्ट पहचान दिलाई। वर्तमान में इसका विस्तार लकड़ी, संगमरमर, काँच एवं दीवारों तक हो चुका है।
- इस कार्य के लिए उस्ता परिवार के स्वर्गीय हिसामुद्दीन उस्ता प्रसिद्ध रहे हैं, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 1986 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया।
- **उस्ता केमल हाइड ट्रेनिंग सेन्टर, बीकानेर -** 15 अगस्त, 1975 को अखिल भारतीय हस्तशिल्प कला मण्डल, नई दिल्ली के सहयोग से स्थापित।
- **प्रमुख कलाकार –** मोहम्मद हनीफ उस्ता, इलाही बक्श उस्ता, कादरबक्श, अयूब उस्ता, अलीरजा, असगर उस्ता, रूकनुद्दीन उस्ता, अजमल हुसैन उस्ता आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ग्राम उत्थान शिविरों का राज्यव्यापी शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- 22 जनवरी, 2026 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सिरोही से 'ग्राम उत्थान शिविरों' का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन :** ग्राम उत्थान शिविरों के तहत राज्य के समस्त गिरदावर सर्किल स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- **आयोजन अवधि :** ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन दो चरणों में होगा।
- **प्रथम चरण :** 23 जनवरी, 2026 (बसंत पंचमी) से शुरुआत, जिसमें 24, 25 व 31 जनवरी, 2026 को शिविर आयोजित किए जाएंगे।
- **द्वितीय चरण :** 1 फरवरी एवं 5 से 9 फरवरी, 2026 तक आयोजन।
- **कुल शिविर :** 2839 शिविर आयोजित किए जाएंगे।
- **कुल विभाग :** ग्राम उत्थान शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज सहित कुल 12 विभाग भाग लेंगे।
- **नोडल विभाग :** कृषि एवं उद्यानिकी विभाग (राजस्थान)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चर्चा में 'रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व'

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में चीतलों (Spotted Deer) की शिफ्टिंग पर रोक लगा दी।

मुख्य बिन्दु:

- नई दिल्ली के डियर पार्क से रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में चीतलों (Spotted Deer) का स्थानांतरण किया जाना प्रस्तावित था।
- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी ने टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र में भ्रमण कर प्रे बेस (Prey Base) की वस्तुस्थिति का अध्ययन किया। जिसके बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह निर्णय लिया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **समिति के सदस्य :** सुनील लिमये, डॉ. जे. आर. भट्ट और वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साइंटिस्ट डॉ. सनथ मुलिया।
- **याचिका :** सर्वोच्च न्यायालय में न्यू दिल्ली नेचर सोसायटी द्वारा इस संबंध में याचिका दायर की गई।
- **नोट :** 21 दिसंबर, 2025 को मध्य प्रदेश के 'पेंच टाइगर रिज़र्व' से राजस्थान के 'रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व' में 'राज्य का पहला अंतर-राज्यीय बाघ स्थानांतरण' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।
- **नोट :** चीतल (स्पॉटेड डियर) जयपुर जिले का आधिकारिक शुभंकर है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व:

- **अवस्थिति :** बूंदी ज़िले में स्थित है, जिसका विस्तार कोटा और भीलवाड़ा तक है।
- यह प्राचीन अरावली पहाड़ियों में स्थित है, जिसमें मेज, रामगढ़ और खारी जैसी मौसमी नदियाँ बहती हैं।
- इसे वर्ष 2022 में रणथंभौर, सरिस्का और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के बाद राजस्थान का चौथा टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया था।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान में स्थित टाइगर रिज़र्व :-

क्रमांक	टाइगर रिज़र्व	घोषणा का वर्ष	शामिल जिले
1.	रणथंभौर टाइगर रिज़र्व	1973	सवाई माधोपुर, करौली, बूंदी, टोंक
2.	सरिस्का टाइगर रिज़र्व	1978	अलवर, जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़
3.	मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व	2013	कोटा, बूंदी, झालावाड़, चित्तौड़गढ़
4.	रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व	2022	बूंदी, कोटा
5.	धौलपुर-करौली टाइगर रिज़र्व	2023	धौलपुर, करौली

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

69th नेशनल स्कूल हॉकी टूर्नामेंट (U19 बॉयज) में राजस्थान विजेता

चर्चा में क्यों?

- उदयपुर में आयोजित 69th नेशनल स्कूल हॉकी टूर्नामेंट (U19 बॉयज) के फाइनल में राजस्थान ने उड़ीसा को हराकर खिताब जीता।

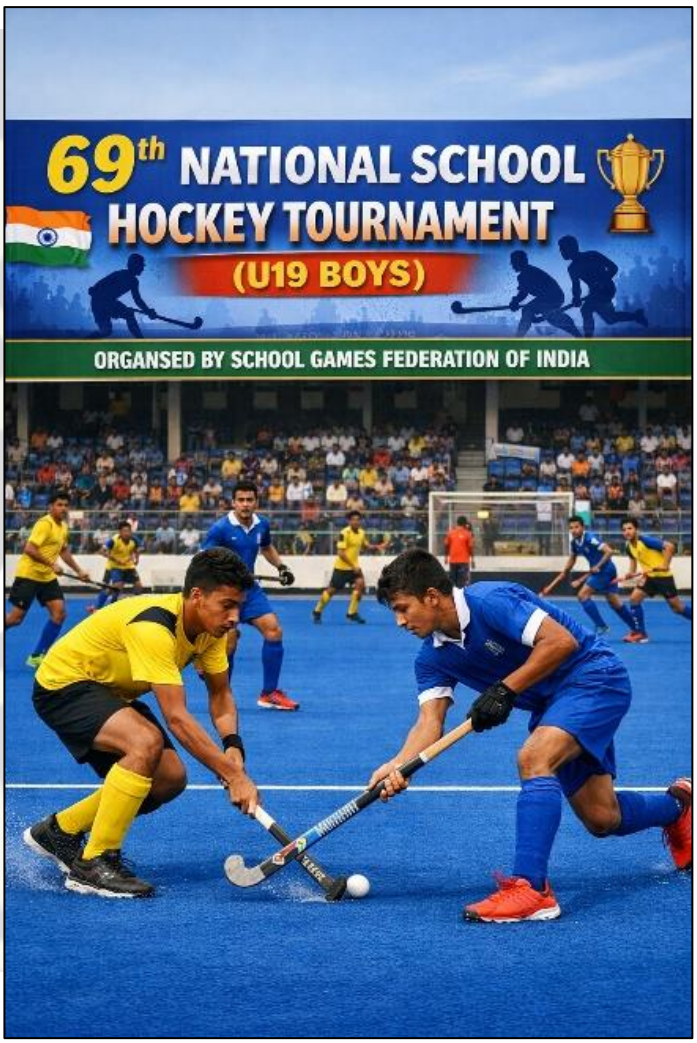

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन :** 12 से 17 जनवरी, 2026 तक उदयपुर में।
- **आयोजक :** स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI) के तत्वावधान में पीएम श्री फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा।
- **फाइनल मुकाबला :** राजस्थान ने फाइनल में ओडिशा को 3-2 से हराकर पहली बार खिताब जीता।
- **कांस्य पदक (तीसरा स्थान) :** पंजाब ने हिमाचल प्रदेश को 6-0 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**अलका बत्रा : राष्ट्रीय महिला उपलब्धि पुरस्कार** ■ जयपुर निवासी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता अलका बत्रा को हाल ही में 'राष्ट्रीय महिला उपलब्धि पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। ■ अलका बत्रा ने जुलाई, 2024 में अमेरिका के क्लीवलैंड में आयोजित पैन-अमेरिकन मास्टर्स टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। ■ उन्हें विश्व महिला कांग्रेस द्वारा बेंचमार्किंग, प्रतिभा और मानव संसाधन अभ्यास में "महिला सुपर अचीवर पुरस्कार" (2019), "भारतीय राष्ट्रीय अचीवर पुरस्कार", "उद्योग रत्न पुरस्कार" और "भविष्य की महिला पुरस्कार" से सम्मानित किया जा चुका है।
2.	**राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष (स्मरणोत्सव का द्वितीय चरण)** ■ राजस्थान सरकार द्वारा 19 से 26 जनवरी, 2026 तक राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में स्मरणोत्सव का द्वितीय चरण आयोजित किया जा रहा है। ■ **आयोजक :** कला एवं संस्कृति विभाग (राजस्थान सरकार)। ■ बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 7 से 14 नवंबर, 2025 तक राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का प्रथम चरण आयोजित किया गया था।
3.	**डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के नाम 10वाँ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड** ■ मेवाड़ राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने जनहितकारी आयोजन के जरिए 10वाँ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। ■ उन्होंने मिट्टी के 1400 से अधिक मटके बनवाकर उन्हें जरूरतमंद परिवारों में वितरित किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**इंडिया स्किल्स – 2025 : राज्य स्तरीय प्रतियोगिता** ■ राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) द्वारा 20 से 24 जनवरी, 2026 तक 'इंडिया स्किल्स 2025' राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ■ इस प्रतियोगिता का राज्य स्तर पर आयोजन 10 शैक्षणिक संस्थानों में किया गया। ■ **उद्देश्य :** व्यावसायिक क्षेत्रों में कुशल युवाओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण और मेंटरशिप प्रदान करना। ■ राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा 'इंडिया स्किल कम्पीटिशन' का आयोजन किया जाता है। ■ यह प्रतियोगिता युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करती है।
5.	**ऑपरेशन प्रवर्तन – सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर** ■ **आयोजक :** जयपुर जिला प्रशासन द्वारा अवैध गैस रिफिलिंग एवं भंडारण के कारोबार के खिलाफ संचालित अभियान।
6.	**'रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म और इन्फॉर्म' कार्यशाला** ■ **आयोजन :** 22 जनवरी, 2026 को जयपुर में। ■ **आयोजक :** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय एवं राज्य सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा संयुक्त रूप से। ■ **उद्देश्य :** आमजन तक राज्य सरकार की योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित सूचनाओं के बेहतर संप्रेषण के लिए सभी विभागों में सामंजस्य स्थापित करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

7.	**बाराँ में 'अमृत महोत्सव 2026' का आयोजन** ■ **आयोजक:** बाराँ जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता विभाग तथा राजीविका। ■ अमृत महोत्सव - 2026 बालिकाओं और महिलाओं के समग्र सशक्तीकरण पर आधारित एक अभिनव पहल है। ■ बाराँ जिले में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एम्बेसडर : डॉ. सुधीरा।
8.	**राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय चित्रकला कार्यशाला** ■ **आयोजन :** 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी) के उपलक्ष में राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा राज्य स्तरीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया गया। ■ **आयोजन स्थल :** 23 जनवरी 2026 को जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में। ■ **राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 का विषय :** माय इंडिया, माय वोट।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव और स्पेन

चर्चा में क्यों?

- स्पेन औपचारिक रूप से इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव में शामिल हो गया है।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** इंडो पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव (I POI), इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समान विचारधारा वाले देशों के मध्य व्यावहारिक समुद्री सहयोग के लिए एक गैर संधि स्वैच्छिक सहकारी ढाँचा है।
- **पृष्ठभूमि:** यह भारत द्वारा वर्ष 2015 में घोषित सागर पहल पर आधारित है।
- **लॉन्च :** वर्ष 2019 (घोषणा : ईस्ट एशिया समिट, बैंकॉक)
- **उद्देश्य:** एक स्वतंत्र खुले, समावेशी और नियम आधारित इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देना तथा समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा, विकास और स्थिरता के मध्य संतुलन बनाए रखना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इनिशिएटिव के 7 विषयगत स्तंभ :

1. समुद्री पारिस्थितिकी (ऑस्ट्रेलिया व थाइलैंड)
2. समुद्री सुरक्षा (भारत और यूनाइटेड किंगडम)
3. समुद्री संसाधन (फ्रांस व इंडोनेशिया)
4. क्षमता निर्माण और संसाधन साझाकरण (जर्मनी)
5. विज्ञान व प्रौद्योगिकी सहयोग (इटली व सिंगापुर)
6. आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन (भारत व बांग्लादेश)
7. व्यापार, संपर्क और समुद्री परिवहन (जापान व अमेरिका)

- सहयोग पर केंद्रित गैर सैन्य व गैर गुटीय दृष्टिकोण।
- समुद्री जागरूकता, स्थिरता और अवसंरचना लचीलापन को बढ़ावा।
- **NOTE :** देश स्वतंत्र रूप से अलग-अलग स्तंभों का नेतृत्व कर सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

लोकायन 26 अभियान

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना के नौकायन प्रशिक्षण पोत INS सुदर्शनी ने 20 जनवरी, 2026 को लोकायन 26 अभियान की शुरुआत की।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह 10 महीने की समुद्री यात्रा है जो 22000 समुद्री मील से अधिक की दूरी तय करती है और इसमें 13 देशों के 18 विदेशी बंदरगाहों का दौरा शामिल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **विभिन्न कार्यक्रमों में भारत का नेतृत्व:** INS सुदर्शनी फ्रांस में आयोजित टॉल शिप इवेंट्स 'एस्केल आ सेट' और अमेरिका के न्यूयॉर्क में आयोजित होने वाले 'सेल 250' में भाग लेगी।
- **लोकायन 26 का महत्त्व :** यह भारत की समृद्ध समुद्री विरासत तथा महासागरों में वसुधैव कुटुंबकम की परिकल्पना को दर्शाता है।

1. यह यात्रा भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के 200 से अधिक प्रशिक्षुओं को गहन नौकायन प्रशिक्षण प्रदान करेगा।
2. लंबी दूरी के समुद्री नेविगेशन और समुद्र में पारंपरिक नाविक कौशल का अनुभव प्राप्त होगा।
3. यह तैनाती प्रशिक्षुओं को एक विशाल जहाज पर जीवन की बारीकियों से परिचित कराएगी तथा अन्य नौसेना प्रशिक्षुओं से संवाद का अवसर प्रदान करेगी।

INS सुदर्शनी:

- यह स्वदेशी रूप से निर्मित एक नौकायन प्रशिक्षण पोत है।
- **निर्माण:** गोता शिपयार्ड लिमिटेड
- **कमीशन :** वर्ष 2012
- यह तीन मस्तूलों वाला पोत, पाल या विद्युत शक्ति दोनों के बल पर कार्य करने में सक्षम है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सागर मैत्री पहल (SM-5)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय नौसेना ने सागर मैत्री (SM-5) मिशन के 5वें संस्करण के लिए दक्षिणी नौसेना कमान कोच्चि से INS सागरध्वनि को रवाना किया।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय :** यह समुद्री सुरक्षा के लिए साझा जलमग्न क्षेत्र जागरूकता (UDA) को बढ़ाने की प्रमुख पहल है।
- **संचालन :** यह भारतीय सेना और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) का एक संयुक्त कार्यक्रम है।
- **उद्देश्य:** निर्दिष्ट अवलोकन मार्गों के साथ समुद्र विज्ञान और ध्वनिक डेटा का संग्रह करना और हिंद महासागर के तटवर्ती देशों के मध्य वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **महत्त्व:** यह भारत के महासागर (पारस्परिक और समग्र क्षेत्रीय सुरक्षा और विकास) पहल तथा इसके वैज्ञानिक घटक MAITRI (समुद्री और संबद्ध अंतः विषयक प्रशिक्षण और अनुसंधान पहल) के तहत् साझेदार देशों के साथ भारत के दीर्घकालिक संयुक्त अनुसंधान और क्षमता निर्माण को मजबूत करता है।
- **अन्य विवरण :** SM-5 मिशन के तहत INS सागरध्वनि, वर्ष 1962-65 में अंतरराष्ट्रीय हिंद महासागर अभियान में भागीदार INS किस्तना के ऐतिहासिक मार्गों का अनुसरण करेगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु :

INS सागरध्वनि; समुद्री ध्वनिक अनुसंधान पोत:

- **डिज़ाइन :** नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला, कोच्चि
- **निर्माण :** गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता।
- **कमीशन :** जुलाई, 1994
- **कार्य :** भारत के लिए दीर्घकालिक समुद्र विज्ञान अवलोकन और समुद्री अनुसंधान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आरोबैंकी एजिप्टियाका

चर्चा में क्यों?

- भारत में सरसों की फसल गंभीर खतरे का सामना कर रही है। यह खतरा आरोबैंकी एजिप्टियाका नामक घास से है।

मुख्य बिन्दु:

अतिरिक्त जानकारी-

- इसे इजिप्शियन ब्रूमरेप भी कहते हैं। यह फसल की जड़ों पर पलने वाली परजीवी घास है, इसमें पर्णहरित नहीं होता, जिससे यह पूरी तरह सरसों जैसी फसलों पर निर्भर रहती है।

अन्य खतरें-

- सरसों पर कीटों का भी हमला होता है; विशेषकर-माहू (एफिड) का।
- इसमें कई फफूंद रोग भी लगते हैं, जैसे सफेद रतुआ, पत्ती झुलसा रोग, तना सड़न और पाउडरी मिल्ड्यू।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक परिदृश्य

सीमेंट, एल्युमीनियम और MSMEs क्षेत्रों में हरित परिवर्तन रोडमैप

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग ने सीमेंट, एल्युमीनियम और MSMEs क्षेत्रों के लिए कार्बन उत्सर्जन कम करने के रोडमैप पर तीन रिपोर्ट जारी की है।

मुख्य बिन्दु:

- **तैयार:** यह तीनों रिपोर्ट संबंधित मंत्रालयों/विभागों, उद्योग हितधारकों, अनुसंधान संस्थानों और ज्ञान भागीदारों के परामर्श से तैयार की गई है।

हरित रूपांतरण की आवश्यकता :

1. वैश्विक बाजार तक पहुँच (अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय मानकों का पूरा करना तथा MSMEs को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बनाना।
2. **राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करना :** वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य।

- GDP में विनिर्माण की हिस्सेदारी 17% से बढ़ाकर 25% करना।
- वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना और 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- वर्ष 2070 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को शून्य तक लाने का संकल्प।
- वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करना।

3. **अन्य:** जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए क्षमता निर्माण, नियामक अनुपालना और दीर्घकालिक लाभप्रदता बनाना।

रिपोर्ट:

1. **सीमेंट क्षेत्र:**

- **सीमेंट उत्पादन :** वर्ष 2023 में 391 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2070 तक सीमेंट उत्पादन में 7 गुना वृद्धि होने की संभावना है। यह लगभग 2100 मिलियन टन तक पहुँच जाएगा।
- **कार्बन उत्सर्जन में कमी :** कार्बन उत्सर्जन कम करने की रणनीति के अंतर्गत सीमेंट क्षेत्र को वर्ष 2070 तक अपनी कार्बन तीव्रता को 0.63 tco_2e प्रति टन सीमेंट से घटाकर लगभग 0.09 - 0.13 tco_2e प्रति टन करना।
- रिपोर्ट में इस क्षेत्र में गहन डीकार्बोनाइज़ेशन करने के लिए रिफ्यूज़- डेराइव्स फ्यूल्स के उपयोग को प्राथमिकता देने, क्लिंकर प्रतिस्थापन, कार्बन कैप्चर, यूटिलाइज़ेशन और स्टोरेज के विस्तार तथा कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम के प्रभावी कार्यान्वयन का प्रस्ताव किया गया है।

2. **एल्युमीनियम क्षेत्र :**

- **एल्युमीनियम उत्पादन :** एल्युमीनियम उत्पादन वर्ष 2023 में 4 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2070 तक 37 मिलियन टन होने का अनुमान है।
- डीकार्बोनाइज़ेशन रोडमैप में तीन चरणबद्ध समाधानों की पहचान की गई है।
  - A. अल्पावधि में 24 घंटे नवीकरणीय ऊर्जा बिजली की ओर संक्रमण और ग्रिड कनेक्टिविटी में सुधार।
  - B. मध्यावधि में परमाणु ऊर्जा को अपनाना।
  - C. दीर्घकालिक में CCUS का एकीकरण करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. **MSME क्षेत्र :** MSME के हरित परिवर्तन के लिए रोडमैप 3 प्रमुख कारकों पर केन्द्रित है :

   A. ऊर्जा कुशल उपकरणों की तैनाती।

   B. वैकल्पिक ईंधनों को अपनाना।

   C. हरित बिजली का एकीकरण करना।

- **MSMEs का योगदान :** यह क्षेत्र भारतीय औद्योगिक परिदृश्य की रीढ़ है:

GDP में योगदान	30%
रोजगार (दूसरा सबसे बड़ा 25 करोड़ रोजगार प्रदाता क्षेत्र)	25 करोड़
निर्यात में हिस्सेदारी	46%

NOTE :

- **MSME उत्सर्जन:** वर्ष 2022 में लगभग 135 मिलियन टन (CO_2e का उत्सर्जन किया, जिसका मुख्य कारण जीवाश्म ईंधन पर अत्यधिक निर्भरता है।
- **क्लस्टर एकीकरण :** भारत में 140 से अधिक औद्योगिक क्लस्टर है, जिनमें से विशिष्ट राष्ट्रीय वस्तुओं का 80% तक उत्पादन करते हैं।
- **ऊर्जा सघनता :** MSME भारत में औद्योगिक क्षेत्र द्वारा उपयोग की जाने वाली कुल ऊर्जा का 25% से अधिक उपभोग करता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

हरित रूपान्तरण के प्रयास:

1. ADEETIE योजना (ब्याज अनुदान व तकनीकी सहायता)
2. गिफ्ट योजना (अपशिष्ट प्रबंधन)
3. SPICE पहल (प्लास्टिक व इलेक्ट्रॉनिक्स में चक्रीय अर्थव्यवस्था को अपनाना)
4. जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट योजना (2ED)
5. PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

राष्ट्रीय विधायी सूचकांक (NLI)

चर्चा में क्यों?

- 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने विभिन्न राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के प्रदर्शन का वस्तुनिष्ठ आंकलन और तुलनात्मक अध्ययन हेतु राष्ट्रीय विधायी सूचकांक शुरू करने की घोषणा की।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह एक प्रस्तावित प्रदर्शन मूल्यांकन ढाँचा है, जिसका उपयोग पूर्वनिर्धारित संकेतकों का उपयोग करके संसद और राज्य विधानमंडलों के कामकाज को वस्तुनिष्ठ रूप में मापना और तुलना करने के लिए किया जाता है।
- **उद्देश्य:** विधानसभाओं और विधान परिषदों के कामकाज को अधिक दक्ष, पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और जवाबदेही बनाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **मापदंड:** विधानसभाओं का मूल्यांकन मापने योग्य मापदंडों जैसे की बैठकों की संख्या, विधायी उत्पादन, समिति कार्य और सदन के समय उपयोग के आधार पर किया जाएगा।

महत्त्व:

1. दक्षता में वृद्धि।
2. पारदर्शिता मजबूत होगी।
3. जनता के प्रति जवाबदेहिता तय होगी।
4. स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा।
5. बेस्ट प्रैक्टिस का प्रसार।
6. नीतिगत सुधार में सहायता।
7. मानकीकरण और एकरूपता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

वैश्विक जल दिवालियापन पर रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान ने वैश्विक जल दिवालियापन पर रिपोर्ट जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- रिपोर्ट ने इस तथ्य पर जोर दिया कि पृथ्वी अब वैश्विक जल दिवालियापन के युग में प्रवेश कर चुकी है।
- **जल दिवालियापन:** इसमें दीर्घकालिक जल उपयोग नवीकरणीय अन्तर्वाहों और सुरक्षित निष्कर्षण सीमाओं से अधिक हो जाता है, जिससे जल संसाधनों का पुनर्भरण असंभव हो जाता है।
- **जल तनाव:** वह स्थिति जिसमें जल आपूर्ति की तुलना में माँग अधिक होती है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों का निराकरण किया जा सकता है।
- **जल संकट:** वह स्थिति जहाँ अचानक उत्पन्न होने वाली बाधाओं के कारण जल प्रणालियाँ अस्थाई तौर पर बाधित हो जाती है, लेकिन आपातकालीन और पुनर्स्थापना उपायों के माध्यम से उन्हें बहाल किया जा सकता है।

जल दिवालियापन के लिए उत्तरदायी कारक-

- सतही व भौमजल के भण्डारण की गुणवत्ता का अवनयन
- विकास अवसंरचनाओं का अत्यधिक विस्तार
- पारिस्थितिक परिसमापन जैसे आर्द्र भूमि, बाढ़ के मैदान
- जलवायु प्रेरित तात्कालिक संकट; जैसे अलनीनों की तीव्रता

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR